

प्रधक.

एल० फैनरी
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

(टी. ने.)

निदेशः
अर्थ एवं संख्या निदेशालय
उत्तरांचल, देहरादून।

निवाजन अनुभाग।

देहरादून: दिनांक: 15 जनवरी, 2005

विषय:- दीस सूत्री कार्यक्रम हेतु वित्तीय वर्ष 2004-05 में अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-1414/3-स०(पुनरोष)/2004-05 दिनांक 27 जनवरी 2005 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या-592/03-XXVI/2004 दिनांक 24 दिसम्बर, 2004 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय संलग्न वी0एन0-15 पर अंकित वित्तानामुसार वीरा सूत्री कार्यक्रम के कियान्वयन हेतु निम्न मर्दों में कुल रूपये 250 लाख (रूपये दो लाख पचास हजार मात्र) और धनराशि आपके निवाजन पर रखते हुए निम्न प्रतिवेद्धों द्वारा आधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं—

क्र०सं०	मद का नाम	धनराशि (रूपयों में)
1	15-गाडियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	50,000/-
2	16-व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं हेतु भुगतान	2,00,000/-
	योग:- (रूपये दो लाख पचास हजार मात्र)	2,50,000/-

1- उक्त धनराशि कोवस उन्हीं मर्दों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृत की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यव किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मर्दों के कियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।

2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय इस्तपुरितका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज, रूल्स एवं गितव्ययता के संबंध शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा।

3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृती धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जाय जिसके लिए वित्तीय इस्तपुरितका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्वयन सम्म अधिकारी की पूर्ण स्वीकृति की आवश्यकता हो, उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यव किया जायेगा तथा व्यव का विवरण यथासमय प्रत्येक माह वी0एन0-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

६— उत्तरा नदि गिरव्ययका दी मद है इसमें व्यय सीमित रखते हुए कटौती किये जाने का प्रबल किया जाय ।

७— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक में अनुदान -07 के अन्तीग लेखारीर्क-3454-जनगणना, सर्वक्षण तथा रांचियकी-02-रावेश्वर राशा सांखियकी-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन-04-वीस सूची कार्यक्रम कियान्वयन अधिकान-के अंतर्गत वयावश्यक '15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं ऐटोल आदि की खरीद अथवा 16-व्यावसायिक तथा विशेष रोकाओं के लिए भुगतान " के नामे डाला जायेगा तथा उक्त धनराशि लेखारीर्क-3454-जनगणना, सर्वक्षण तथा रांचियकी-02-सर्वेभाण तथा सांखियकी-आयोजनेत्तर-001-निदेशन तथा प्रशासन-04-वीस सूची कार्यक्रम कियान्वयन अधिकान -01-पेतन की चर्चाओं से बहन की जायेगी ।

८— यह स्थीकृत वित्त विभाग को आशारकीय संख्या-229/पिअनु०-३/2004 दिनांक 4 फरवरी, 2005 में प्राप्त सुनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्ता।

भवदीय,

(रल० फैनई)

अपर सचिव।

संख्या- १६ (१)/०२-XXVI/२००४, तददिनांक।

प्रतीक्षित निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

- १— नहलेखापार, उत्तरांचल, ओबचन बिल्डिंग, सहारनपुर ठेड, देहरादून।
- २— वरिष्ठ कोयाधिकारी, देहरादून।
- ३— वित्त अनुभाग-३, उत्तरांचल शाराग।
- ✓४— समन्वयक राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सांखियालय परिसर, देहरादून।
- ५— पाई फाईल।

आज्ञा से,

Manj

(टीकग सिह पंचार)

संयुक्त सचिव।

उत्तरांचल शासन
वित्त अनुभाग-३
संख्या— (१) / वि०अनु०-०३ / २००४
देहरादून: दिनांक: १५, फरवरी, २००५

पुर्णविनियोग स्वीकृत।

के०सी० गिश्र
अपर सचिव

संदर्भ में

महालेखाकार,
उत्तरांचल आदेशय भोटस विलिङ्ग,
माजरा, देहरादून।

संख्या- १८८ /०२-XXVI / २००४-०५, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु
प्रोटो:-

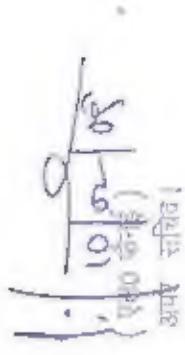
- १—वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- २—वित्त अनुभाग-०३, उत्तरांचल शासन।

आज्ञा से,
dinesh
(दीकम सिंह पंवार)
संयुक्त सचिव।

प्रशासनिक विभाग- नियोजन विभाग | नियोजक अधिकारी- राजेश, नियोजन | आयोजननेतानर (व्यापारिक हस्तर कृपये) | अनुदान संख्या-07

बायोट प्राक्षिकान तथा लेखाखालीक का निवारण	गान्धी क नदवार अव्यावहारिक व्याय	तिलोय चर्कने रैव अव्यावहारिक व्याय	वरदाम करनारी (सरलक)	लेखाखालीक नियम स्थानानुचित किया जाना है	यनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्थान -5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्थान -5 की कुल अव्यावहारिक धनराशि
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-07 3454-जनगणना सर्वेषण तथा तथा साइरियकी-02-सर्वेषण साइरियकी-आयोजनात्मक-001-नियोजन तथा प्रशासन-04-दीर्घ एवं कार्यक्रम विकासन अधिकारा-01-प्रेस- 950	337	-	200	413	अनुदान संख्या-07 3454-जनगणना सर्वेषण तथा साइरियकी 02-सर्वेषण तथा साइरियकी-आयोजनात्मक 001-नियोजन तथा प्रशासन 04-दीर्घ एवं कार्यक्रम विकासन अधिकारा- 15-मोटर गाड़ियों का अनुकूल एवं पेट्रोल आदि की खरीद-50 15-यावसायिक तथा विभेद सेवाओं के ग्रामान-	250 500	700
योग	337	200	413		250	750	700

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के लिये नियोजन के परिवेद- 150, 151, 155, 156 वे उल्लिखित याकिवानों से संग्रहीत वाहनों का उल्लिखन नहीं होता है ।


 1. (१०८)
 १५० कोड
 अप्रृष्ट राजीत ।